1	2	3	4
5. Gej	8.80	9.97	1. Information on Forest clearance awaited. 2. Updated cost estimates awaited. 3. Specific consurrence of State Finance & Planning Department awaited.
6. Mahuar	18.67	29.48	1. Concurrence of State Planning & Finance Department awaited. 2. Information on forest clearance awaited.
7. Barcharnalla	7.54	9.45	1. Concurrence of State Planning and Finance Department awaited. 2. Forest clearance awaited.
8. Kanhargaon	8.65	9.60	1. Concurrence of State Planning and Finance Department awaited. 2. Information on Forest clearance awaited.

बैंक अधिकारियों की विदेशी यात्राएं

1997. **श्री शरद यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन राष्ट्रीयकृत बैंकों की विदेशों में कोई भी शाखा नहीं है ;

(ख) क्या ऐसे बैंकों के प्रबंधकों/अधिकारियों को सरकारी खर्चे पर विदेश भेजने की कोई नीति है और उन बैंकों की संख्या कितनी है जिनकी विदेशों में कोई शाखा तो नहीं है, परन्तु जिनके उच्च वरिष्ठ अधिकारियों ने विदेश यात्राएं की तथा इन यात्राओं का उद्देश्य क्या था ;

(ग) न्यू बैंक आफ इंडिया के उन उच्च अधिकारियों की संख्या क्या है जो जून 1985 से 31 दिसम्बर 1986 के दौरान बैंक के खर्चे पर विदेश भेजे गए तथा वे कितनी बार विदेश भेजे गए ;

(घ) विदेश भेजे गए अधिकारियों में से प्रत्येक पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) उन्हें विदेश भेजने से बैंक को क्या लाभ हुआ ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) 31 दिसम्बर, 1986 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित राष्ट्रीयकृत बैंकों की विदेशों में कोई शाखा नहीं थी :

(1) देना बैंक
(2) बैंक आफ महाराष्ट्र
(3) इलाहाबाद बैंक
(4) यूनाईटेड बैंक आफ इंडिया
(5) आंध्रा बैंक
(6) न्यू बैंक आफ इंडिया

(7) विजया बैंक

(8) कार्पोरेशन बैंक

(9) ओरियंटल बैंक आफ कामर्स

(ख) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और यथा उपलब्ध सूचना सभा पटल रख दी जाएगी ।

बैंकों का सांविधिक तरलता अनुपात

1998. **श्री शरद यादव** : क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन राष्ट्रीयकृत बैंकों के नाम क्या हैं जिन्होंने पिछले वर्ष के दौरान सांविधिक तरलता अनुपात नहीं बनाए रखा तथा पिछले पांच वर्षों की संक्षिप्त रिपोर्ट क्या है ;

(ख) इन बैंकों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है और उन पर क्या दण्ड लगाया गया है ; और

(ग) भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताएं रोकने के लिए क्या रण-नीति तैयार की जा रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गयी सूचना के अनुसार 20 राष्ट्रीयकृत बैंकों में से 17 बैंक वर्ष 1986 में सांविधिक नकदी अनुपात का अपेक्षित प्रतिशत पूरी तरह से बनाए नहीं रख सके । इसके अलावा, भारतीय स्टेट बैंक समूह के 8 बैंकों अर्थात् भारतीय स्टेट बैंक और उसके अनुषंगी बैंकों में से 2 बैंक सांविधिक नकदी अनुपात बनाए नहीं रख सके ।

सांविधिक नकदी अनुपात न बनाए रख सकने वाले बैंक 1982 में 17, 1983 में 13, 1984 में 17 और 1985 में 19 थे ।

बैंकों को 13 सितम्बर, 1985 तक सांविधिक नकदी अनुपात में चूक पर दण्ड की माफी दी गयी थी । 14 सितम्बर, 1985 के बाद उन बैंकों को, जो निर्धारित माफी की सीमा से अधिक सांविधिक नकदी अनुपात नहीं बनाए रख सके, चूक की अवधि के अनुसार, बैंक दर से 3 और 5 प्रतिशत अधिक दंडात्मक ब्याज देना होता है । 14 सितम्बर, 1985 से 15 राष्ट्रीयकृत बैंकों को 11.34 करोड़ रुपये का दंडात्मक ब्याज अदा करना पड़ा । बैंकों से प्रारक्षित निधि अपेक्षाओं को बनाए रखने को उच्च प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है । भारतीय रिजर्व बैंक ने आगे चलकर यह भी बताया है कि उन बैंकों का, जो सांविधिक नकदी अनुपात को नहीं बनाए रख सके, नाम और उन पर लगाए गए दण्ड को बताना वांछनीय नहीं होगा ।

Balance of payment

1999. SHRIMATI KRISHNA KAUL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India's balance of payment has deteriorated during the last year;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to check the same?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI BRAHM DUTT): (a) The detailed Balance of Payments data for the year 1985-86 are not yet available. The foreign exchange reserves (excluding Gold and Special Drawing Rights), however increased by Rs. 567.57 crores during 1985-86.

(b) and (c) Do not arise.